वक्तव्य की अनुमति दी जाती है। जो आपत्तिजनक न हो या उसमें आरोप न लगाया गया हो

(व्यवधान)

श्री सोमनाथ चटर्जी : किसी अजनबी के विरूद्ध नहीं ...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न यह है कि प्रधानमंत्री किसी अखबार से उद्धृत कर रहे हैं।

(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : महोदय यह सही नहीं है। ...**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : कृपया मेरी बात सुनिये। प्रधान मंत्री एक अखबार से उस विशेष व्यक्ति के वक्तव्य को उद्धृत कर रहे हैं जो इस सभा का सदस्य नहीं है। यह ऐसे व्यक्ति के बारे में है जो इस सभा में उस बात की पुष्टि या खंडन नहीं कर सकता है। क्या वह वक्तव्य आरोप है या नहीं इसका निर्णय किया जाना है। मैं इस बारे में अभी अंतिम निर्णय नहीं ले रहा हूं। किंतु यह बेहतर होगा यदि प्रधान मंत्री उस मुद्दे को छोड़ दें।

(व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदय, मुझे खेद है, क्या आप मुझे बोलने की अनुमति देंगे?

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय, मैं बंगलौर में आयोजित एक समारोह का उल्लेख कर रहा हूं। समारोह में अन्य लोगों के अलावा श्री देवगौड़ा भी उपस्थित थे। वह इमरजेंसी के खिलाफ आयोजित समारोह था। उस समारोह की तारीख 26 जून 1995 थी। अगर श्री देवगौड़ा का बयान गलत होता तो वह उसका खंडन करते। क्या सब अखबारों में गलत बयान छपता।...**(व्यवधान)**..अध्यक्ष महोदय, इस बयान का कोई खंडन नहीं आया है। श्री देवगौड़ा अगर बयान को गलत समझते, अगर यह मिस-रिपोर्टिंग हुई थी तो खंडन भेज सकते थे। लेकिन ऐसा उन्होंने नहीं किया...**(व्यवधान)**...

[अनुवाद]

श्री श्रीकान्त जेना : उन्होंने दूसरे ही दिन इस बात का खंडन कर दिया था। यह बात 'इंडियन एक्सप्रेस' में छपी थी, दूसरे दिन उन्होंने इस बात का खंडन कर दिया था। मैं अपनी बात पर अडिग हूं।

गृह मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी : इस वक्तव्य का कभी भी खंडन नहीं किया गया। यह वैसा ही है। हमने इस बात का कभी भी कोई खंडन नहीं पढ़ा। हमारे पास वह वक्तव्य है..**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री जी, श्री जेना अब भी जेना बोल रहे हैं।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री भगवान शंकर रावत (आगरा) : अब इंद्रजीत गुप्त किताब से पढ़ रहे थे तब किसी ने नहीं टोका..**(व्यवधान)**

[अनुवाद]

श्री प्रमोद महाजन : हमारे पास उस कार्यक्रम के आडियो और विडियो कैसेट हैं, जो कुछ उन्होंने कहा मैं उसे सभा के समक्ष रखने को तैयार हूं। वे सदन को गुमराह कर रहे हैं। मेरे पास उनके भाषण का आडियो और विडियो कैसेट हैं।...**(व्यवधान)**

[हिन्दी]

कुमारी उमा भारती (खजुराहो) : अध्यक्ष जी, 30 तारीख तक. ..**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : उमा जी, मैं समझता हूं। आप बैठ जाइये।

[अनुवाद]

प्रो. रीता वर्मा : उन्होंने जानबूझकर सभा को गुमराह करने की कोशिश की है। वे जानबूझ कर सदन को गुमराह कर रहे हैं.. **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : उमा जी, अब हम सभा की कार्यवाही चलायें।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको मंत्री जी बोल रहे हैं।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय : कानून मंत्री जी को बोलने दो।

[अनुवाद]

श्री राम विलास पासवान : प्रधान मंत्री ने जो कुछ कहा है हमने पहले ही उसका खंडन किया है। **(व्यवधान)** हम पहले ही उसका खंडन कर चुके हैं, तो उन्हें पढ़ने दीजिये।**(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। यदि प्रधान मंत्री जी दस्तावेज को प्रमाणीकृत करना चाहते हैं, तो ठीक है।

श्री जसवन्त सिंह : मैं केवल एक बात कहना चाहता हूं। यदि प्रधान मंत्री कोई दस्तावेज पढ़ना चाहते हैं तो उन्हें उसकी अनुमति प्रदान की जानी चाहिए। **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : एक सदस्य जो एक विशेष वाक्य को उद्धृत करता है...

(व्यवधान)

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तर्क-वितर्क नहीं करना चाहता, लेकिन... **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मैं अपने व्यक्तव्य में संशोधन करता हूं। यदि कोई माननीय सदस्य, जो उद्धत कर रहा है, वह उस दस्तावेज को प्रमाणीकृत करने का इच्छुक है, तो इसे उद्धत किया जा सकता है।

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री राम जेठमलानी) : क्या मैं कुछ कह सकता हूं? **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : नहीं।

श्री राम जेठमलानी : क्या आप दो मिनट के लिए मेरी बात सुनेंगे?

श्री सुरेश कलमाडी : हम इसे जारी रखना नहीं चाहते। **(व्यवधान)**

श्री सन्तोष मोहन देव : श्री राम विलास पासवान ने पहले ही कहा है कि उन्होंने इसका खण्डन कर दिया था। उसके पश्चात भी यदि प्रधान मंत्री उद्धत करना चाहते हैं, तो उन्हें करने दीजिए।

श्री जसवन्त सिंह : क्या मैं यह स्पष्ट कर सकता हूं कि प्रधान मंत्री एक दस्तावेज पढ़ रहे हैं... **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : विधि मंत्री को पहले बोलने दीजिए।

(व्यवधान)

[हिन्दी]

श्री जार्ज फर्नान्डीज (नालन्दा) : अध्यक्ष महोदय, इस सदन में हर सदस्य अखबारों को लेकर आते हैं और दुनिया भर के सवालों की यहां चर्चा की जाती है। कोई अखबार की कतरन लेकर आता है. ... **(व्यवधान)** यह क्या तमाशा चल रहा है, मैं इसे समझ नहीं पा रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आप इस सदन में बहुत सालों से हैं। ... **(व्यवधान)** इस सदन के सदस्य अखबारों को लाते हैं और पढ़ कर सुनाते हैं कि अखबार में यह छपा है, मुझे जीरो आवर में बहस करनी है। क्या ऐसा रोजाना नहीं चलता है? क्या तमाशा बनाया गया है? किसी को कोई रूल मालूम नहीं है। ... **(व्यवधान)**

[अनुवाद]

श्री राम जेठ मलानी : आप मेरे बोलने के अधिकार को नहीं छीन सकते। **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : कल भी श्री जार्ज फर्नान्डीज के भाषण के संबंध में इस मामले को उठाया गया था और क्योंकि यह निन्दात्मक और आरोप लगाने वाला नहीं था, मैंने उन्हें अनुमति दी है मैं केवल यह कह रहा था कि क्या एक विशेष वाक्य, जो एक ऐसे व्यक्ति का बताया जा रहा था जो सदन का सदस्य नहीं हैं, उस आरोप माना जायेगा अथवा नहीं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया सुनिये। मुझे इसके बारे में निश्चित रूप से पता नहीं है। इसलिए, मैं प्रधान मंत्री को अपना भाषण जारी रखने की अनुमति प्रदान करता हूं...

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने प्रधान मंत्री को इसे उद्धत करने की अनुमति प्रदान की है। प्रधान मंत्री जी, आप इसे उद्धत कर सकते हैं।

[हिन्दी]

श्री सत्यदेव सिंह (बलरामपुर) : अध्यक्ष महोदय, श्री गोलवरकर जी के बारे में जो कहा गया है। ... **(व्यवधान)**

[अनुवाद]

श्री राम जेठमलानी : वे इस दस्तावेज को अधिकार के रूप में पढ़ रहे हैं, किसी की मेहरबानी से नहीं।

अध्यक्ष महोदय : मैंने इसे उद्धत करने की अनुमति दी है। प्रधान मंत्री जी, आप कितना समय लेंगे?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं इन व्यवधानों के लिए जिम्मेदार नहीं हूं। मुझे खेद है। मैं अपनी बात अवश्य कहूंगा।

[हिन्दी]

मैं यहां किसी की कृपा से नहीं आया हूं। और किसी की कृपा से नहीं बोलूंगा। इस चर्चा में आर.एस.एस. का नाम मैंने नहीं लिया। इस चर्चा में आर.एस.एस. का नाम कामरेड श्री इन्द्रजीत गुप्त ने लिया।

श्री इन्द्रजीत गुप्त : जरूर लिया।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उन्होंने आर.एस.एस. के साथ हमारे संबंधों का भी निरूपण किया। इब आर.एस.एस. के बारे में क्या राय है और अगर श्री देवे गौडा जैसे व्यक्ति की राय है तो उसे महत्व मिलना चाहिए ... **(व्यवधान)**... अभी तक क्या हुआ था? अध्यक्ष महोदय बीच में कहा गया कि यह गलत है और उस समय मैंने निवेदन किया था कि 1977 के बारे में 26.6.96 को आयोजित फंक्शन है . .. **(व्यवधान)**

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : प्रधान मंत्री को बोलने दीजिए। आपको अपने प्रधान मंत्री में विश्वास होना चाहिए।

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष महोदय, आपके प्रति यथोचित सम्मान रखते हुए, हर बार आप "आपके प्रधान मंत्री" कहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : हमारे प्रधान मंत्री।

श्री प्रमोद महाजन : प्रधान मंत्री तो प्रधान मंत्री हैं। आपको 'आपके प्रधान मंत्री' नहीं कहना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, प्रधान मंत्री।

[हिन्दी]

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, आर.एस.एस. के बारे में श्री देवे गौड़ा ने जो कुछ कहा है, वह इस प्रकार है:

[अनुवाद]

> "आर.एस.एस. एक निस्कलंक संगठन है। चालीस साल के लम्बे राजनैतिक जीवन में मैंने एक बार भी आर.एस.एस. की आलोचना नहीं की।"

मुख्य मंत्री ने कहा कि वे यह अत्यधिक जिम्मेदारी से कह रहे थे। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान आर.एस.एस. की सक्रिय भूमिका के संबंध में उनकी दो राय नहीं है। श्री गौड़ा ने आगे जो बताया वह निम्न प्रकार है :

> "जो लोग आपातकाल के दौरान श्रीमती इन्दिरा गांधी के साथ थे, जिन्होंने उनकी प्रशंसा की थी, जिन्होंने आपातकाल की प्रशंसा की थी, वे आज हमारे साथ है और सत्ता में हैं, लेकिन आर.एस.एस. ही एकमात्र धब्बा रहित संगठन है। अन्य इधर उधर फिसले चले गये हैं।"

[हिन्दी]

अध्यक्ष महोदय : यह मैं श्री देवे गौड़ा की निन्दा के लिए नहीं कह रहा हूं। उन्होने आर.एस.एस. का सही मूल्यांकन किया, इसके लिए मैं उनकी प्रशंसा करना चाहता हूं और आप चाहते हैं कि उनकी प्रशंसा भी इस सदन में न सुनी जायें। किसी एक अखबार में नहीं छपा, तमाम अखबारों में छपा और जैसा मैंने कहा, उस समय किसी ने खंडन नहीं किया।

अध्यक्ष महोदय, एक और बात इस चर्चा में कही गयी, इसका उत्तर देना चाहूंगा। यह कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी को व्यापक जन-समर्थन प्राप्त नहीं है।

अपराह्न 5.00 बजे

कऊ बेल्ट का समर्थन है। कऊ बेल्ट जिसे कहा जाता है, उस पूरे क्षेत्र को इस तरह से सदन में उल्लिखित करना, कहां तक उचित है। हरियाणा में हम जीते हैं। हमने कर्नाटक में समर्थन प्राप्त किया है। यह ठीक है कि केरल में और तमिलनाडु में हम उतने शक्तिशाली नहीं हैं, मगर हमारा संगठन है। पश्चिम बंगाल में भी हमें दस प्रतिशत से थोड़े कम वोट मिले हैं। अगर आप वोट की बात करते हैं तो दस प्रतिशत वोट की बात करिये। इस सदन में एक एक व्यक्ति की पार्टियां हैं और वह हमारे खिलाफ जमघट करके हमें हटाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें प्रयास करने का पूरा अधिकार है। यहां एक व्यक्ति की पार्टी है। एकला चलो रे और चलो एकला अपने चुनाव क्षेत्र से और दिल्ली में आकर हो जाओ इक्ट्ठे रे। किसलिए इक्ट्ठे हो जाओ? देश के भले के लिए? स्वागत है। हम भी अपने ढंग से देश की सेवा कर रहे हैं। और अगर हम देशभक्त न होते और अगर हम निःस्वार्थ भाव से राजनीति में अपना स्थान बनाने का प्रयास न करते और हमारे इन प्रयासों के पीछे चालीस साल की साधना नहीं होती तो हम यहां तक नहीं पहुंचते। ये कोई आकस्मिक जनादेश नहीं है, यह कोई चमत्कार नहीं हुआ है। हमने मेहनत की है, हम लोगों में गए हैं, हमने संघर्ष किया है। हमारी पार्टी 365 दिन चलने वाली पार्टी है। यह कोई चुनाव में कुकुरमुत्ते की तरह से खड़ी होने वाली पार्टी नहीं है। आज हमें अकारण कटघरे में खड़ा किया जा रहा है क्योंकि हम थोड़ी ज्यादा सीटें नहीं ले सके। हम मानते हैं कि हमारी कमजोरी है, हमें बहुमत मिलना चाहिए था। राष्ट्रपति ने हमें अवसर दिया, हमने उसका लाभ उठाने की कोशिश की! हमें सफलता नहीं मिली यह अलग बात है, लेकिन हम फिर भी सदन में सबसे बड़े विरोधी दल के रूप में बैठेंगे और आपको हमारा सहयोग लेकर सदन चलाना पड़ेगा, इस बात को मत भूलिये। मगर सदन चलाने में और ठीक तरह से चलाने में हम आपको पूरा सहयोग देंगे, यह आपको आश्वासन देना चाहता हूं। मगर सरकार आप कैसी बनाएंगे, वह सरकार किसी कार्यक्रम पर बनेगी, वह सरकार कैसी चलेगी मैं नहीं जानता।

जहां तक दलितों का सवाल है, शेड्यूल्ड कास्ट्स के टोटल मेम्बर्स 77 हैं। उनमें से 29 बीजेपी के हैं। सीपीआई(एम) के पांच मेम्बर हैं, सीपीआई का 1 मेम्बर है, कांग्रेस के 15 मेम्बर हैं, जनता दल के 7 मेम्बर हैं। सबसे ज्यादा हमारे मेम्बर हैं। एस.टीज के भी कुल सदस्य 41 हैं और बीजेपी के 11 सदस्य हैं। यह मत कहिये कि हमारा जनाधार नहीं है! हमें लोगों का व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है! अगर आप हमें छोड़कर सरकार बनाना चाहते हैं और समझते हैं कि वह सरकार टिकाऊ होगी, मुझे तो उसके टिकने के लक्षण नहीं दिखाई देते। ... **(व्यवधान)** पहले तो उसका जन्म लेना कठिन है, जन्म लेने के बाद जीवित रहना कठिन है और यह सरकार अंतर्विरोधों में छिपी हुई देश का कितना लाभ कर सकेगी, यह एक प्रश्नवाचक चिह्न है। हर बात के लिए आपको कांग्रेस के पास दौड़ना पड़ेगा कि आप उस पर निर्भर हो जाएंगे, आज की स्थिति तो मैं नहीं जानता। पहले चर्चा हुई थी कि कुछ शर्तें लगायी जा रही हैं। फिर चर्चा हुई कि कैबिनेट के स्तर पर कोआर्डिनेटिंग कमेटी बनानी पड़ेगी। फ्लोर पर भी हम लोग कोआर्डिनेशन करते हैं। उसके बिना सदन नहीं चलता, आप सारा देश चलाना चाहते हैं, बड़ी अच्छी बात है। हमारी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। हम अपने देश की सेवा के कार्य में जुटे रहेंगे। हम संख्या बल के सामने सिर झुकाते हैं और आपको विश्वास दिलाते हैं कि जो कार्य हमने अपने हाथ में लिया है, जब तक हम अपना राष्ट्रीय

उद्देश्य पुरा नहीं कर लेंगे तब तक आराम से नहीं बैठेंगे, विश्राम नहीं लेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति महोदय को देने जा रहा हूं। **(व्यवधान)**

[अनुवाद]

अध्यक्ष महोदय : सदन में प्रधान मंत्री द्वारा त्यागपत्र दिए जाने की घोषणा को देखते हुए, विश्वास प्रस्ताव को सभा में मतदान के लिए रखना निरर्थक हो जाता है और सभा की कार्य सूची में आपके लिए रखे गये किसी अन्य कार्य को भी नहीं किया जा सकता।

इसलिए, मैं सभा को **अनिश्चित काल के** लिए के लिए स्थगित करता हूं।

अपराह्न 5.06 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुई।